



कर्नाटक हाईकोर्ट ने रणवीर सिंह को फटकार लगाई कहा- बयानों में रहें जिम्मेदार



कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को अभिनेता रणवीर सिंह को 'कांतारा' विवाद के मामले में फटकार लगाते हुए कहा कि उन्हें अपने बयानों में जिम्मेदार और सतर्क रहना चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ इसलिए कि आप सेलिब्रिटी हैं, किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने रणवीर से यह भी कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाते समय उनके शब्दों और व्यवहार में सावधानी होनी चाहिए। ढीली-ढाली भाषा का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं चलेगा, चाहे आप रणवीर सिंह हों या कोई और। साथ ही, कोर्ट ने रणवीर को अंतरिम राहत प्रदान की और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न की जाए। मामले की अगली सुनवाई सोमवार, 2 मार्च को होगी।

खरगे बोले, मोदी विदेश नेताओं के सामने गिड़गिड़ा रहे हैं



कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है और उनकी आलोचना करते हुए कहा कि मोदी का व्यवहार हिटलर जैसा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री डोनाल्ड ट्रंप जैसे विदेश नेताओं के सामने अक्सर अत्यधिक विनम्र और झुकते हुए नजर आते हैं। खरगे ने यह बयान राजनीतिक मंचों और मीडिया इंटरव्यू में दिया, जिसमें उन्होंने सरकार की विदेश नीति और नेताओं के साथ संवाद के तरीके की आलोचना की। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री की यह शैली देश की अंतरराष्ट्रीय छवि और कूटनीतिक सम्मान के लिए चिंता का विषय है।



केरल अब 'केरलम' कहलाएगा मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

केंद्रीय कैबिनेट ने केरल का नाम बदलकर “केरलम” करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी

- **केंद्रीय कैबिनेट ने केरल का नाम बदलकर “केरलम” करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।**
- **नाम परिवर्तन का प्रस्ताव पहले केरल विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था।**

संशोधित प्रस्ताव दोबारा केंद्र को भेजा गया। इस निर्णय को राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से अहम माना जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह प्रस्ताव सदन में पेश किया था। उन्होंने कहा था

श्रीनगर एयरपोर्ट पर बनेगा नया इंटीग्रेटेड टर्मिनल

जम्मू-कश्मीर के लिए गुड न्यूज

- 1,000 कारों के लिए मल्टी-लेवल पार्किंग की सुविधा भी बनाई जाएगी।
- विस्तार में सुरक्षा कर्मियों के लिए बैरक निर्माण भी शामिल है।
- नया टर्मिनल पर्यावरण अनुकूल तकनीकों से सज्जित होगा।



तक पहुंच और बेहतर होगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह विस्तार श्रीनगर हवाई अड्डे को विश्वस्तरीय सुविधा वाला वाणिज्यिक हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

दलित परिवार को मंदिर से बाहर निकालने का मामला, आरोपी गिरफ्तार



कर्नाटक, टीवी भारतवर्ष

कर्नाटक के तूमकुरु जिले के तूरूवेकेरे तालुक के गोनी गांव स्थित अरसम्मा मंदिर में जातिगत भेदभाव का मामला सामने आया। आरोप है कि एक दलित परिवार को मंदिर परिसर से अपमानित कर बाहर निकाल दिया गया। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी नारायणप्पा को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, हाल ही में विवाह बंधन में बंधा दलित जोड़ा मंदिर दर्शन के लिए पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी नारायणप्पा ने स्वयं को देवी-देवता का अवतार बताते हुए ‘आवेश’ की स्थिति का नाटक किया और यह दावा किया कि दलित परिवार को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसने पूरे मामले को सार्वजनिक कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की पहली बैठक विकास और रोजगार पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज सेवा तीर्थ में केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई, जिसमें अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिये गये। इन निर्णयों में विकास, रोजगार, किसानों की आय, बेहतर रेल और हवाई संपर्क तथा हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने जैसे पहलू शामिल हैं। इन फैसलों से देश के विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊर्जा, बेहतर सुविधाएं और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। साथ ही, मंत्रिमंडल ने राज्य सरकारों के साथ सहयोग बढ़ाने और डिजिटल इंडिया के माध्यम से सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए भी कदम उठाने का निर्णय लिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इन पहलों से स्थानीय उद्यमों और स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी की इज़राइल यात्रा

लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइलों पर भी फोकस



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी को दो दिन के इजराइल दौरे पर जा रहे हैं, जहां भारत और इजराइल के बीच बड़े रक्षा समझौते पर मुहर लगने की संभावना है। इस हाई-स्टेक दौरे के दौरान भारत लेजर-गाइडेड SPICE बम, Rampage मिसाइल, एयर LORA मिसाइल, लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइलें, आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम और एडवांस्ड ड्रोन जैसी एडवांस्ड इजराइली हथियार प्रणालियों की खरीद पर विचार कर सकता है। माना जा रहा है कि इनमें से कई सिस्टम “मेक इन इंडिया” प्रोग्राम के तहत भारत और इजराइल मिलकर बनाए जा सकते हैं, जिससे देश की रक्षा क्षमताओं में वृद्धि होगी।



और रणनीतिक साझेदारी को मजबूती मिलेगी। यह दौर वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों और बदलते जियोपॉलिटिकल हालात के बीच भारत की रक्षा और तकनीकी ताकत बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, और इन डील्स के फाइनल होने



अमित शाह सीमांचल दौरे पर जनसांख्यिकी और सुरक्षा मुद्दों की करेंगे समीक्षा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25-27 फरवरी को बिहार के सीमांचल जिलों का दौरा करेंगे। वे जनसांख्यिकीय परिवर्तन, अवैध घुसपैठ और अनधिकृत धार्मिक निर्माणों की समीक्षा करेंगे, सुरक्षा सुधार और प्रशासन-पुलिस समन्वय को मजबूत करने पर जोर देंगे।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 से 27 फरवरी तक बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जनसांख्यिकीय परिवर्तन, अवैध घुसपैठ और अनधिकृत धार्मिक निर्माण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विशेष जोर देंगे। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि यह बैठक बिहार में अपनी तरह की पहली उच्च स्तरीय समीक्षा के रूप में देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री इस बैठक में सीमांचल के सात जिलों — किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, सहरसा और सुपौल — के जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ सीधे संवाद करेंगे। ये जिले भारत-नेपाल और भारत-बांग्लादेश सीमाओं के पास स्थित हैं और सुरक्षा तथा सीमा पार आवाजाही के दृष्टिकोण से लंबे समय से संवेदनशील माने जाते रहे हैं। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने एएनआई को बताया कि बैठक में इन जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों, अवैध घुसपैठ की घटनाओं और कथित तौर पर बिना अनुमति



निर्मित धार्मिक ढांचों की स्थिति का विस्तृत आकलन किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की प्रस्तुतियों के साथ-साथ खुफिया जानकारी पर आधारित रिपोर्टों की समीक्षा भी शामिल होगी। गृह मंत्री सुरक्षा से संबंधित किसी भी कमियों को दूर करने और नागरिक प्रशासन तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वित कार्यवाई सुनिश्चित करने पर जोर देंगे। सूत्रों ने यह भी बताया कि अमित शाह इस अवसर पर घुसपैठ और अनधिकृत धार्मिक निर्माणों से निपटने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस के बीच समन्वय को मजबूत करने के स्पष्ट निर्देश देंगे। यह पहली बार है कि केंद्रीय गृह मंत्री बिहार में जिला स्तर पर जनसांख्यिकी और सीमा

सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर इतनी व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। विशेषज्ञ इसे सीमांचल क्षेत्र पर केंद्र सरकार के बढ़ते ध्यान का संकेत मान रहे हैं। सीमांचल क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के निकट होने के कारण हमेशा प्रशासनिक निगरानी में रहा है। इस दौरान गृह मंत्री केवल सीमांचल पर ही नहीं, बल्कि बिहार के व्यापक सुरक्षा परिदृश्य और आंतरिक सुरक्षा ढांचे से संबंधित कई बैठकों की भी अध्यक्षता करेंगे। इन बैठकों में सीमा प्रबंधन, खुफिया समन्वय, पुलिसिंग रणनीतियों और संगठित अपराध एवं चरमपंथी तत्वों के खिलाफ तैयारियों जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। दौरे के दौरान अमित शाह बिहार की समग्र आंतरिक सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। उनके साथ

केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे, जिनमें गोविंद मोहन और तपन डेका शामिल हैं। ये अधिकारी खुफिया आकलन और जमीनी रिपोर्टों के आधार पर सुझाव देंगे। उनकी उपस्थिति बैठक की गंभीरता और उसके निष्कर्षों के आधार पर भविष्य की कार्यवाई की संभावना को रेखांकित करती है। गृह मंत्री सीमांचल में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के साथ एक विशेष बैठक भी करेंगे, जो भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। अमित शाह का यह दौरा न केवल सीमा-संवेदनशील जिलों में सुरक्षा की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कदम माना जा रहा है, बल्कि यह बिहार में आंतरिक सुरक्षा तैयारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा और प्रशासनिक समन्वय को भी बढ़ावा

रांची से दिल्ली जा रही एयर एंबुलेंस चतरा में क्रेश



टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

झारखंड के चतरा जिले से एक हृदयविदारक हादसे की खबर सामने आई है। रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाई अड्डा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली एक एयर एंबुलेंस सिमरिया थाना क्षेत्र के घने वनक्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस भीषण हादसे में विमान में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, एयर एंबुलेंस ने शाम करीब 7:10 बजे रांची से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान का संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया। बाद में पता चला कि विमान चतरा जिले के सिमरिया के पास जंगलों में गिर गया है। विमान में दो पायलट, एक चिकित्सक, मेडिकल स्टाफ और एक मरीज सहित कुल सात लोग सवार थे। चतरा की उपायुक्त कीर्तिश्री जी. ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि एयर एंबुलेंस में सवार सभी सात लोगों की मृत्यु हो गई है। एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल ने कहा कि राहत और बचाव दल ने घटनास्थल से सभी शव बरामद कर लिए हैं। मृतकों की पहचान कैप्टन विवेक विकास भगत, कैप्टन सवराजदीप सिंह, संजय कुमार, डॉ. विकास कुमार गुप्ता, सचिन कुमार मिश्रा, अर्चना देवी और ध्रुव कुमार के रूप में की गई है। हवाई अड्डे के निदेशक कुमार ने बताया कि दुर्घटना की सूचना राज्य प्रशासन से प्राप्त हुई थी। विमान रांची से दिल्ली जा रहा था और उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हादसा हो गया। फिलहाल दुर्घटना के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक आशंका खराब मौसम या तकनीकी खराबी की जताई जा रही है। हालांकि, वास्तविक कारणों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। मामले की जांच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा की जाएगी।

एस्टीन फाइल्स मामले में पीटर मैडेलसन गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत पीटर मैडेलसन को एस्टीन फाइल्स से जुड़े कथित कदाचार की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किए जाने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इस संबंध में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने आधिकारिक बयान जारी किया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 72 वर्षीय व्यक्ति को सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में सोमवार को कैमडेन क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। उन्हें पूछताछ के लिए लंदन के एक पुलिस स्टेशन ले जाया गया। बयान में कहा गया कि विल्टशायर और कैमडेन में दो स्थानों पर तलाशी वारंट जारी किए जाने के बाद यह कार्यवाई की गई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने अपने संक्षिप्त बयान में पुष्टि की कि हाल के यौन अपराधों और संभावित वित्तीय संबंधों की जांच के तहत एक 72 वर्षीय व्यक्ति को हिरासत में लिया गया था। हालांकि, पुलिस आमतौर पर आरोप तय होने से पहले संदिग्धों की पहचान सार्वजनिक नहीं करती, लेकिन सरकारी सूत्रों और कानूनी प्रतिनिधियों ने रिहाई के तुरंत बाद मैडेलसन की पहचान की पुष्टि की। पुलिस ने कहा कि जांच की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए फिलहाल अधिक जानकारी साझा नहीं की जा सकती। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जमानत पर रिहाई से



संकेत मिलता है कि जांच अभी साक्ष्य एकत्र करने के चरण में है। जमानत की शर्तों के तहत मैडेलसन को एक पंजीकृत पते पर रहना होगा और उनके विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। जांच एजेंसियां उनके बयानों का अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से प्राप्त सूचनाओं के साथ मिलान करेंगी। इस घटनाक्रम के राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। लेबर पार्टी, जिसमें मैडेलसन ने लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने मामले से दूरी बनाते हुए कहा है कि वह अपेक्षा करती है कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन किया जाए।



दुनिया पर मंडराया परमाणु युद्ध का साया! अमेरिका का खुलासा! चीन ने गुप्त रूप से तैयार किया हथियारों का जखीरा

इंजन फेल होने से स्पाइसजेट विमान की आपात लैंडिंग, 150 यात्री सुरक्षित

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब लेह जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान का इंजन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हवा में फेल हो गया। विमान में लगभग 150 यात्री सवार थे। तकनीकी खराबी का संकेत मिलते ही पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को तुरंत वापस दिल्ली मोड़ने का फैसला किया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से लेह जा रही फ्लाइट SG121 ने जैसे ही उड़ान भरी और रफ्तार पकड़नी शुरू की, तभी एक इंजन में खराबी आ गई। अचानक आई इस स्थिति से विमान के भीतर दहशत फैल गई। यात्रियों ने बताया कि कुछ क्षणों के लिए माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था। हर पल भारी लग रहा था, जबकि विमान पूरी तरह पायलटों के कौशल पर निर्भर था। सूत्रों के मुताबिक, विमान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डे पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई थी। प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग की तैयारी की गई और मेडिकल व फायर ब्रिगेड की टीमों तैनात कर दी गई। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि तकनीकी दिक्कत के



चलते विमान को एहतियातन दिल्ली वापस लाया गया। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्रियों को सामान्य प्रक्रिया के तहत उतार लिया गया। आगे की जांच के लिए मेटेंस टीम द्वारा विमान का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा। इस बीच, स्पाइसजेट ने हाल ही में अपने बेड़े के विस्तार की योजना की घोषणा की है। एयरलाइन वेत और डैम्प लीज के संयोजन के जरिए अपने फ्लीट को लगभग 60 विमानों तक बढ़ाने पर काम कर रही है, साथ ही ग्राउंडेड विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा में लौटाया जा रहा है। दिसंबर तिमाही में कंपनी का घरेलू बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई है।

अमेरिकी शुल्कों के बीच कनाडा की नई आर्थिक पहल पीएम मार्क कार्नी भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान दौरे पर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता और अमेरिकी व्यापार शुल्कों के बढ़ते दबाव के बीच मार्क कार्नी के नेतृत्व में कनाडा ने अपनी आर्थिक रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव के संकेत दिए हैं। प्रधानमंत्री कार्नी इस सप्ताह और अगले सप्ताह भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान की अहम यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। इस दौरे का उद्देश्य अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पारंपरिक निर्भरता को कम करना और नए व्यापारिक बाजारों की तलाश करना है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, कार्नी अपनी यात्रा की शुरुआत गुरुवार को मुंबई से करेंगे। यहां वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा, वह भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों और प्रमुख व्यापारिक नेताओं से भी मुलाकात करेंगे, ताकि कनाडा में निवेश की संभावनाओं को मजबूत आधार मिल सके। भारत के बाद कार्नी ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा जाएंगे। वहां वह ऑस्ट्रेलियाई संसद के दोनों सदनों को



संबोधित करेंगे और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात कर क्षेत्रीय सुरक्षा तथा रक्षा सहयोग पर चर्चा करेंगे। यात्रा के अंतिम चरण में कार्नी जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचेंगे। वहां उनकी मुलाकात जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से होगी। दोनों नेताओं के बीच स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों और खाद्य सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा प्रस्तावित है। जापान को कनाडा का प्रमुख तकनीकी और रणनीतिक

साझेदार माना जाता है। कार्नी ने अपने बयान में कहा कि अनिश्चितता के इस दौर में कनाडा उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिन्हें वह नियंत्रित कर सकता है। उन्होंने अगले दस वर्षों में अमेरिका के बाहर कनाडा के निर्यात को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। उनका कहना है कि अमेरिकी शुल्क निवेश को कमजोर कर रहे हैं, ऐसे में नए बाजारों की खोज समय की मांग है।



संपादक की कलम से

21वीं सदी का वर्तमान दशक तकनीकी क्रांति के एक नए अध्याय का साक्षी बन रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल विज्ञान कथा का विषय नहीं रही, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और शासन जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। यह तकनीक न केवल कार्यक्षमता बढ़ा रही है, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को भी अधिक सटीक और तेज बना रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित उपकरण जटिल बीमारियों की पहचान में डॉक्टरों की सहायता कर रहे हैं। शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने (पर्सनलाइज्ड लर्निंग) की अवधारणा को बल मिला है, जिससे छात्रों को उनकी क्षमता के अनुरूप मार्गदर्शन मिल पा रहा है। कृषि में मौसम और मिट्टी के विश्लेषण के आधार पर फसल प्रबंधन संभव हो रहा है। स्पष्ट है कि एआई विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है। हालांकि, इसके साथ अनेक चुनौतियां भी जुड़ी हैं। रोजगार पर प्रभाव सबसे बड़ी चिंता है। स्वचालन (ऑटोमेशन) के बढ़ते दायरे से पारंपरिक नौकरियों में कमी आ सकती है। इसके अतिरिक्त डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और एल्गोरिदमिक पक्षपात जैसे मुद्दे गंभीर विमर्श की मांग करते हैं। यदि एआई का उपयोग बिना नियमन और नैतिक मानकों के किया गया, तो इसके दुष्परिणाम दूरगामी हो सकते हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग और शिक्षण संस्थान मिलकर संतुलित नीतियां तैयार करें। कौशल विकास पर विशेष ध्यान देकर युवाओं को नई तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। साथ ही, एआई के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना अनिवार्य है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपने आप में न तो वरदान है, न अभिशाप। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि हम उसे किस दृष्टि और जिम्मेदारी के साथ अपनाते हैं। यदि सही दिशा और नैतिक आधार के साथ आगे बढ़ा जाए, तो एआई मानव प्रगति का सशक्त साधन सिद्ध हो सकती है।

पंजाब में 'मेरी रसोई योजना' की शुरुआत 40 लाख परिवारों को हर तीन माह मुफ्त फूड किट मिलेगी

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'मेरी रसोई योजना' शुरू की है। इसके तहत 40 लाख परिवारों को नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट के गेहूं के अलावा हर तीन महीने में मुफ्त फूड किट मिलेगी। योजना का उद्देश्य बच्चों और परिवारों के लिए पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना और राज्य में खाद्य सुरक्षा मजबूत करना है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब में पहली बार बड़े स्तर पर खाद्य और पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को 'मेरी रसोई योजना' शुरू करने की घोषणा की। इस योजना के तहत अप्रैल से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभार्थी लगभग 40 लाख परिवारों को गेहूं के अलावा हर तीन महीने में मुफ्त फूड किट प्रदान की जाएगी। योजना का अनावरण करते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा कि उनकी सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए संसाधन जुटाना जानती है और ईमानदारी व स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है, महज एक चुनावी वादा नहीं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आगामी "लोगों के हक वाला बजट" समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए कल्याणकारी उपायों का और विस्तार करेगा। मिडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत पंजाब के हर घर तक खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित की जानी है। उन्होंने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में पंजाब की ऐतिहासिक भूमिका को याद करते हुए कहा कि राज्य के मेहनती किसानों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया है कि देश में कोई भी व्यक्ति भूखा न



सोए। "पंजाब हमेशा देश को भोजन उपलब्ध कराने में अग्रणी रहा है। हालांकि, आज भी कुछ परिवार ऐसे हैं जिन्हें दो वक्त का भोजन जुटाने में कठिनाई होती है। उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 'मेरी रसोई योजना' शुरू की गई है," उन्होंने कहा। मुख्यमंत्री ने योजना का विवरण देते हुए बताया कि प्रत्येक फूड किट में एक महीने के उपयोग के लिए दो किलो दाल, दो किलो चीनी, एक किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और एक लीटर सरसों का तेल शामिल होगा। ये किट राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पहले से वितरित किए जा रहे गेहूं के अतिरिक्त होंगी। इस प्रकार लाभार्थी परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री का व्यापक पैकेज मिलेगा, जिससे उनके पोषण स्तर में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन के लिए मार्केट डेव को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। मार्केट डेव किटों की आपूर्ति और समन्वय का कार्य संभालेगा, जबकि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग इनके निःशुल्क वितरण की जिम्मेदारी निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वितरण प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए एक मजबूत तंत्र तैयार किया गया है, ताकि पात्र

लाभार्थियों तक समय पर सामग्री पहुंच सके। पंजाब की विरासत और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए मान ने कहा कि राज्य ने पहले भी देश को खाद्य संकट से उबारने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह पहल सरकार की उन जनहितकारी नीतियों की श्रृंखला का हिस्सा है, जिन्हें आम लोगों के कल्याण के लिए लागू किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह योजना न तो चुनावी घोषणा पत्र का हिस्सा थी और न ही किसी लिखित गारंटी में शामिल थी, बल्कि यह पंजाब के लोगों के प्रति सरकार की नैतिक प्रतिबद्धता का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि 'मेरी रसोई योजना' से राज्य में खाद्य और पोषण सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पंजाब का कोई भी बच्चा कुपोषण का शिकार न हो और प्रत्येक परिवार को बुनियादी खाद्य आवश्यकताएं सहज रूप से उपलब्ध हों। उनके अनुसार, यह योजना सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

राहुल गांधी ने चिब की गिरफ्तारी को तानाशाही करार दिया, कहा- हम अपने बब्बर शेरों के साथ खड़े हैं

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को भारतीय युवा कांग्रेस (IYC) के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए इसे तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का संकेत बताया। राहुल गांधी ने X (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट में लिखा कि चिब और अन्य IYC कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी इस सच्चाई को देश के सामने लाने के प्रयास के खिलाफ की गई कार्रवाई है। राहुल ने अपने पोस्ट में कहा कि शांतिपूर्ण विरोध भारत की ऐतिहासिक धरोहर है और यह हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस के बब्बर शेर साथियों ने 'COMPROMISED PM' के खिलाफ निडर होकर देशहित में आवाज उठाई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ हुए हालिया ट्रेड डील में देश के हितों से समझौता किया गया है। उनका कहना है कि यह समझौता किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए नुकसानदायक है और देश का संवेदनशील डेटा अमेरिका के हाथों में जा सकता है। कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि इस सच्चाई को उजागर करने के लिए चिब और अन्य साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही और कायरता का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी और वह खुद अपने बब्बर शेर साथियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। उनका कहना है कि सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, बल्कि देशभक्ति है। उन्होंने लोगों से अपील की, "डरो मत—सच और संविधान हमारे साथ हैं।" यह बयान ऐसे समय में आया है जब एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में हुए विवादों के बीच "बिना शर्ट वाले" विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में चिब को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में अब तक कुल आठ लोगों को



हिरासत में लिया जा चुका है। विपक्षी नेता द्वारा प्रदर्शन का जोरदार समर्थन उस समय आया जब कुछ वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर गरिमा, अनुशासन और जिम्मेदारी बनाए रखने की आवश्यकता पर अधिक सतर्कता बरती। वरिष्ठ नेता मारिटे अल्वा ने सार्वजनिक तौर पर इस प्रदर्शन के तरीके की अप्रत्यक्ष आलोचना की है। पुलिस और राजनीतिक विश्लेषक दोनों ही मान रहे हैं कि यह मामला राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी चर्चा का विषय बन गया है और आगे भी इसकी जांच और राजनीतिक बहस जारी रहने की संभावना है।

कुरुक्षेत्र में किसानों का तीन दिवसीय धरना शुरू

अमेरिका-भारत व्यापार समझौता रद्द करने सहित कई मांगों उठीं

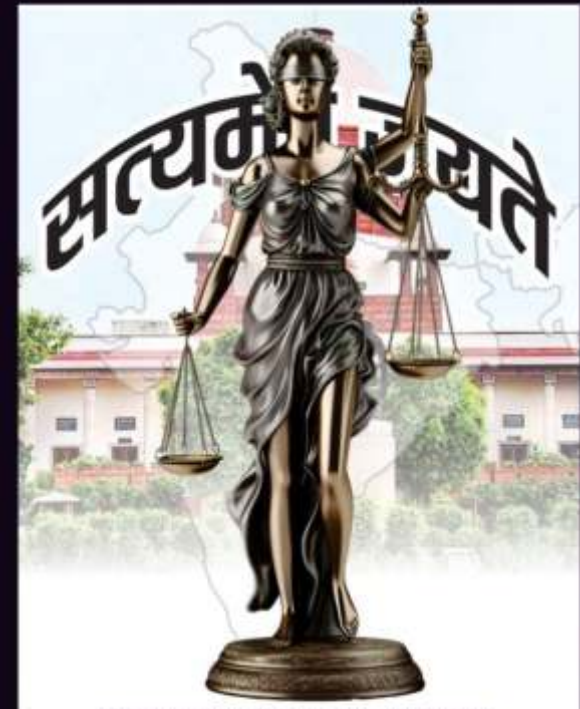
टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हरियाणा की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। सोमवार को प्रदेश के 10 प्रमुख किसान संगठनों ने कुरुक्षेत्र में तीन दिवसीय विशाल धरने की शुरुआत की। भारी सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती के बीच हजारों किसान सड़कों पर उतरे और राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। सुबह से ही किसान ताऊ देवी लाल पार्क में एकत्रित होने लगे। इसके बाद बड़ी संख्या में किसान पैदल मार्च करते हुए मुख्यमंत्री के शिबिर कार्यालय की ओर बढ़े। हालांकि ज़िंदल चौक के पास पुलिस ने अवरोधक लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आगे बढ़ने से रोके जाने पर किसान सड़क पर ही बैठ गए और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि यह धरना तीन दिनों तक जारी रहेगा। किसान नेता मनदीप सिंह सिरसा ने कहा कि आंदोलन की प्रमुख मांगों में से एक अमेरिका-भारत व्यापार समझौते

को रद्द करना है। उनका आरोप है कि कृषि से जुड़े इस तरह के अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों से देश के किसानों और स्थानीय बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीतियों के विरोध में भी है। किसानों की अन्य प्रमुख मांगों में राज्य के किसानों के बकाया बिजली बिलों की पूर्ण माफी शामिल है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बढ़ते खर्च और घटती आमदनी के बीच बिजली बिलों का बोझ किसानों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाओं या अन्य कारणों से हुई फसल क्षति के लिए उचित और शीघ्र मुआवजा देने की भी मांग की गई है। धरना स्थल पर किसानों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी, हालांकि प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। वहीं किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार



ने वार्ता के लिए पहल नहीं की तो आंदोलन को राज्यव्यापी रूप दिया जा सकता है। इस धरने से राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और आने वाले दिनों में स्थिति पर सभी की नजर बनी हुई है।



B.N. D.R. J.S. संस्थान (पंजी. UIN/07943/2023-24) द्वारा संचालित

Legal Education Society

tv भारतवर्ष

Chairman : Munesh Shukla (Legal Advisor)

कक्षा 8 के पाठ्यक्रम में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मामलों पर नया अध्याय शामिल

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) ने कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मामलों से जुड़ा नया विषय शामिल किया है। संशोधित पाठ्यक्रम के तहत अब छात्र यह समझ सकेंगे कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और बड़ी संख्या में लंबित मामलों का न्याय प्रक्रिया पर किस प्रकार प्रभाव पड़ता है। काउंसिल के सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा के बाद पाठ्यक्रम में संशोधन को मंजूरी दी। पूर्व पाठ्यक्रम में आंशिक बदलाव करते हुए नए पैराग्राफ जोड़े गए हैं, जिनमें न्यायिक व्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों को रेखांकित किया गया है। “हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका” शीर्षक वाले अध्याय में न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार को एक गंभीर समस्या बताया गया है। नए पाठ में अदालतों में लंबित मामलों की संख्या को भी प्रमुख चुनौती के रूप में शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि जजों की कमी, जटिल कानूनी प्रक्रियाएं और आधारभूत संरचना की कमजोरियां लंबित मामलों के बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। पुस्तक के अनुसार, अकेले सुप्रीम कोर्ट में करीब 81 हजार



मामले लंबित हैं, जबकि देशभर के हाई कोर्टों में 60 लाख से अधिक मामले लंबित हैं। निचली अदालतों में यह संख्या 4 करोड़ से ज्यादा बताई गई है। संशोधित अध्याय में यह भी जोड़ा गया है कि न्यायपालिका ने कई अवसरों पर संसद द्वारा पारित कानूनों को असंवैधानिक ठहराते हुए निरस्त किया है। इससे छात्रों को यह समझने में मदद मिलेगी कि न्यायपालिका संविधान की संरक्षक के रूप में कैसे कार्य करती है और विधायिका व कार्यपालिका की

शक्तियों पर संतुलन बनाए रखती है। इसके अलावा न्यायपालिका की जवाबदेही व्यवस्था, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के आचार संहिता, उनके खिलाफ शिकायत की प्रक्रिया और पद से हटाने की संवैधानिक व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। पूर्व में इस पाठ में न्यायपालिका की संरचना, कार्यप्रणाली और अधिकारों पर ही मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाता था। अब इसमें न्यायिक प्रणाली के

भीतर पारदर्शिता, जवाबदेही और चुनौतियों से संबंधित पहलुओं को भी शामिल किया गया है। एनसीईआरटी द्वारा संशोधित इस नए संस्करण को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही पुस्तकें बाजार में उपलब्ध होंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव छात्रों को न्याय व्यवस्था की वास्तविक चुनौतियों से अवगत कराने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका को बेहतर ढंग से समझाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शिखर धवन ने अफवाहों का किया खंडन



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर शिखर धवन ने अपनी निजी जिंदगी में नई शुरुआत की है। हाल ही में उन्होंने लॉन्ग टाइम पार्टनर सोफी शाइन से दिल्ली-एनसीआर में एक निजी समारोह में शादी की। इस समारोह में उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य मौजूद थे। यह शादी उनके जीवन में एक नए अध्याय के रूप में देखी जा रही है। हालांकि, सोशल मीडिया पर हाल ही में धवन के नाम से एक फर्जी पोस्ट वायरल हो गई, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने अपने पुराने रिश्तों को लेकर नकारात्मक बातें कही हैं। पोस्ट में यह दिखाने की कोशिश की गई कि उनकी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी ने कहा था कि उनसे कोई लड़की शादी नहीं करेगी। धवन ने तुरंत इस अफवाह का खंडन किया। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी ऐसा बयान नहीं दिया और यह पूरी तरह झूठ है। उन्होंने लिखा कि वह अपने अतीत को कभी बोझ नहीं मानते, चाहे वह क्रिकेट से जुड़ा हो या निजी जीवन से। धवन ने लोगों से अपील की कि उनके नाम का गलत इस्तेमाल न करें और झूठी खबरों पर ध्यान न दें। धवन और आयशा का तलाक अक्टूबर 2023 में हुआ था, जिसके दौरान उन्हें अपने बेटे जोरावर की कस्टडी को लेकर कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। धवन ने कई मौकों पर बताया कि वह अपने बेटे के साथ समय बिताना कितना मिस करते हैं, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने पिछले रिश्ते को लेकर कभी कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की। अब शादी के बाद धवन अपने जीवन में आगे बढ़ चुके हैं। उन्होंने फैस और मीडिया से अपील की है कि सकारात्मकता फैलाएं और अफवाहों से दूरी बनाए रखें। धवन की यह नई शुरुआत उनके जीवन और क्रिकेट फैस के लिए एक उत्साहजनक संदेश है।

सुपर 8 में रोमांच चरम पर भारत के लिए करो या मरो की स्थिति



रणजी फाइनल: जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा चोटिल होकर मैदान से बाहर

विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम को वनडे सीरीज के पहले मैच में 6 विकेट से हार

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मौजूद विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अपने पहले वनडे मैच में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने नवंबर 2025 में पहली बार महिला विश्व कप का खिताब जीता था और टी20 सीरीज में सफलता हासिल करने के बाद वनडे सीरीज की शुरुआत में ही पीछे रह गया। मैच ब्रिस्बेन के एलेन बॉर्डर फील्ड पर खेला गया। भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49वें ओवर में 214 रनों का स्कोर बनाया। टीम की शुरुआत बेहद धीमी रही, जहां प्रतिका रावल दूसरी ही गेंद पर डक हो गईं। शैफाली वर्मा (4) और जेमिमा रोड्रिग्स (8) भी अपना खास योगदान नहीं दे पाईं। हालांकि स्मृति मंधाना ने एक छोर संभाला और 58 रनों की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 84 गेंदों में 53 रन बनाए। सभी 7 गेंदबाजों की इकोनॉमी 5 से कम रही। ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एलिसा हिली और फोबे लीचफील्ड की शानदार शुरुआत के बल पर आसानी से रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। लीचफील्ड 32 गेंदों पर 32 रन



बनाकर 11वें ओवर में आउट हुईं, वहीं जॉर्जिया वॉल अगली ही गेंद पर पवेलियन लौट गईं। हिली और बेथ मूनी ने तीसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। चौथे विकेट के लिए मूनी और एनाबेल सदरलैंड ने 85 रनों की साझेदारी की। सदरलैंड ने 44 गेंदों में 48 रन बनाकर छक्का लगाते ही मैच भारत के नाम होने से रोक दिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है और भारतीय टीम के लिए सीरीज में वापसी का रास्ता कठिन हो गया है।

कुंबले बोले—भारत को करनी होगी जोरदार वापसी

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में वेस्टइंडीज ने सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में जिम्बाब्वे को 107 रन से हराकर अपना अजेय अभियान जारी रखा। जियोहॉटस्टार पर चर्चा के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने वेस्टइंडीज की रणनीति और भारत की संभावनाओं पर विस्तार से बात की। कुंबले ने कहा कि वेस्टइंडीज को टूर्नामेंट के इस चरण में जीत दर्ज करने का तरीका भली-भांति पता है। विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनरों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। गुडाकेश मोती और अकेल हुसैन ने बल्लेबाजों के हिटिंग आर्क से दूर गेंदबाजी करते हुए जिम्बाब्वे को दबाव में रखा। बल्लेबाजी में शिमरोन हेटमायर ने पावरप्ले में आक्रामक अंदाज अपनाते हुए 34 गेंदों पर 85 रन बनाए, जिसमें सात छक्के और सात चौके शामिल रहे। उनकी विस्फोटक पारी की बदौलत दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे के सामने 255

रन का विशाल लक्ष्य रखा। कुंबले ने हेटमायर की सराहना करते हुए कहा कि वह केवल छोटी पारियों से संतुष्ट नहीं होते, बल्कि उन्हें बड़े स्कोर में बदलते हैं। यदि वह 30 रन पर आउट हो जाते, तो वेस्टइंडीज इतना बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाती। पूर्व कप्तान रोवमैन पॉवेल ने भी अहम योगदान दिया। शुरुआती दस रन बनाने में समय लेने के बाद उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया और 35 गेंदों पर 59 रन ठोक दिए। उनकी पावर हिटिंग से जिम्बाब्वे के गेंदबाजों का आत्मविश्वास टूट गया। कुंबले ने कहा कि एक बार सेट होने के बाद पॉवेल को रोकना बेहद मुश्किल हो जाता है। दूसरी ओर, भारत सुपर एट के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से हार चुका है। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उसे अगले दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। कुंबले ने कहा कि अब हर मुकाबला निर्णायक है। भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ



खड़ा किया। इस जीत से उनका नेट रनरेट भी बेहतर हुआ और वे सेमीफाइनल से एक कदम दूर हैं। ग्रुप 2 में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रन से हराकर मजबूत शुरुआत की। फिल साल्ट (62) और विल जैक्स (3/22) ने अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला बारिश से रद्द होने के बाद दोनों के पास एक-एक अंक है, जिससे आगे की राह और चुनौतीपूर्ण हो गई है। अब सभी टीमों के लिए हर मैच निर्णायक बन चुका है और छोटी सी चूक भी सेमीफाइनल की उम्मीदों पर पानी फेर सकती है।



वेस्टइंडीज की तरह बड़ी जीत दर्ज कर नेट रनरेट सुधारना होगा और इसके बाद वेस्टइंडीज को भी हारना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम को मैच पर नियंत्रण बनाए रखते हुए जीत पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिससे नेट रनरेट स्वतः बेहतर होगा।

नन्हे बंदर के वायरल वीडियो ने लोगों की आंखें नम कर दीं

मासूम पंच की 'घर वापसी'

इचिकावा चिड़ियाघर के बेबी मंकी 'पंच-कुन' को, जिसे मां के ठुकराने के बाद एक सॉफ्ट टॉय का सहारा लेना पड़ा था, आखिरकार उसके समूह ने अपना लिया है। वयस्क बंदरों द्वारा उसे 'ग्रूम' करने और गले लगाने के वीडियो ने दुनिया भर के लोगों को भावुक कर दिया है।



और अपनापन ढूंढने लगे, टीलें बन रही हैं, पोस्ट शेयर हो रहे हैं, और पंच पूरे इंटरनेट पर प्यार पा रहा है।

लेकिन अब इस मासूम की किस्मत ने करवट ले ली है। हाल में सामने आए एक वीडियो ने कहानी का पूरा

रंग बदल दिया। दावा किया जा रहा है कि पंच अब अपने समूह में जगह बनाने लगा है। वायरल फुटेज में एक वयस्क बंदर उसे अपनी बांहों में भर लेता है।

यह वही पंच है, जिसे हफ्तों तक सिर्फ एक सॉफ्ट टॉय से चिपके देखकर दुनिया ने दुलार दिया था, और अब उसे असली परिवार जैसा स्पर्श मिल रहा है। वीडियो साझा करने वाले एक्स (X) अकाउंट @डोनडा वाज टेकन ने लिखा- इतनी रिजेक्शन झेलने के बाद आज पहली बार पंच ने सच्चा सुकून महसूस किया। एक वयस्क बंदर ने उसे मजबूती से कटीब खींच लिया। एक दूसरी क्लिप में वयस्क बंदर पंच को धीरे-धीरे ग्रूमिंग करता दिखाई देता है। प्राइमेट समाज में यह इशारा किसी इनाम से कम नहीं- यह स्वीकार्यता, भरोसा और सुरक्षा की भाषा है। ①



दिल्ली में घर ढूंढना स्टार्टअप शुरू करने से भी मुश्किल!

दिल्ली में रहने वाली एक महिला ने बताया कि शहर में किराए का घर ढूंढना उनके लिए स्टार्टअप शुरू करने से भी ज्यादा मुश्किल साबित हो रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपनी परेशानी शेयर की और लोगों से सलाह मांगी। Delhi में रहने वाली महिला नैमिषा, जो खुद को एक महिला संस्थापक हैं, ने कहा कि घर ढूंढना उनके लिए फंड जुटाने या टीम संभालने से भी ज्यादा कठिन है। ②

मेट्रो में मारपीट का वीडियो वायरल

राजधानी की मेट्रो में यात्रियों के बीच हुई एक जबरदस्त झगड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दो पक्षों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि हाथापाई तक जा पहुंची। इसकी वजह थी मेट्रो में सीट न मिलना। यह घटना को देखकर कई लोग हैरान रह गए। वीडियो में देखा जा रहा है कि मेट्रो के डिब्बे में यात्री सामान्य रूप से यात्रा कर रहे थे, तभी अचानक सीट को लेकर बहस छिड़ गई जो हाथापाई पर पहुंच गई। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @IK_Nazar अकाउंट से शेयर किया गया है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली मेट्रो से



इस तरह के वीडियो सामने आ रहे हैं। इस तरह के वीडियो पहले भी सोशल मीडिया पर कई बार वायरल हो चुके हैं। मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन में यात्रियों के बीच झगड़े और हाथापाई की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। ये वीडियो अक्सर यात्रियों और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का कारण बनते हैं। ③

JEE टॉपर्स का खुलासा, सफलता के लिए छोड़ा स्मार्टफोन, अपनाया कीपैड फोन सफलता के लिए शौक कुर्बान

कहते हैं, कामयाबी हमेशा कुर्बानी मांगती है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो इसे साबित करता है। इस वीडियो में JEE टॉपर्स बेसिक कीपैड फोन इस्तेमाल करते दिखे। वे कहते हैं कि वे सोशल मीडिया से दूर रहते हैं। उनके मुताबिक यह पढ़ाई को भटकाता है।

वीडियो के कैप्शन में भी लिखा था-लक्ष्य हासिल करने के लिए कम से कम एक महीना ऐसे ज़रूर बिताइए। आज के समय में छोटे बच्चे भी स्मार्टफोन और टील्स में खो जाते हैं। लेकिन यह वीडियो लोगों के लिए चौंकाने वाला था। कई लोगों को यकीन नहीं हुआ कि छात्र इतनी सख्ती से स्मार्टफोन से दूर रह सकते हैं। वीडियो में एक व्यक्ति छात्रों से पूछता है कि वे किस तरह



का फोन इस्तेमाल करते थे। छात्र अपने फोन जेब से निकालते हैं। लगभग सभी के पास कीपैड फोन था। इसका मतलब वे तकनीक से दूरी बनाकर पढ़ाई पर फोकस कर रहे थे। सबसे मजेदार पल तब आया। एक छात्र ने मजाक में अपने कीपैड फोन को 'iPhone 19' कहा। यह देखकर लोग हंस पड़े। इस वीडियो

को AIIMS के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. दत्ता ने भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य के लिए सोशल मीडिया से दूरी ज़रूरी है। उनका मानना है कि जब ध्यान चाहिए, तब अस्थायी दूरी बहुत फायदा देती है। यह हमेशा मदद करती है। डॉ. दत्ता ने जनवरी 2020 की अपनी निजी घटना बताई। ④

भारतीय फिल्म 'बूंग' को BAFTA अवॉर्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

भारतीय सिनेमा के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है। फिल्म 'बूंग' ने बाफ्टा अवॉर्ड्स जीतकर देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया है। यह पहली भारतीय फिल्म बन गई है जिसे बाफ्टा अवॉर्ड मिला है। इस उपलब्धि ने न केवल फिल्म इंडस्ट्री को गर्व महसूस कराया है, बल्कि पूरे देश में खुशी और उत्साह भर दिया है। यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा की गुणवत्ता और वैश्विक पहचान को भी दर्शाता है, जो नई पीढ़ी के फिल्मकारों और कलाकारों के लिए प्रेरणा बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिल्म के मेकर्स और कलाकारों को बधाई दी और ट्वीट किया, "इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों को बधाई। यह वास्तव में बहुत ही खुशी का पल है, खासकर मणिपुर के लिए। यह हमारे देश की शानदार रचनात्मक प्रतिभा को भी उजागर करता है।

"फिल्म की कहानी मणिपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित है और यह छोटे लड़के बूंग के इर्द-गिर्द घूमती है। गूगुन किपगेन ने बूंग का किरदार निभाया है। बूंग अपने परिवार को फिर से एक करने का सपना देखता है। उसकी मां मंदाकिनी अकेले अपने बेटे की परवरिश कर रही है। कहानी

में बूंग अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ मिलकर अपने लापता पिता की खोज का साहसिक सफर शुरू करता है। फिल्म में मां-बेटे के रिश्ते, मासूमियत और जन्जात को गहराई से दिखाया गया है। फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट, चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और सूटेबल पिक्चर्स ने मिलकर बनाया है। 'बूंग' की इस अंतरराष्ट्रीय सफलता ने मणिपुर और पूरे भारत को गर्व महसूस कराया है। अक्सर मणिपुर और पूर्वोत्तर क्षेत्र की कहानियां सिनेमा में कम दिखाई जाती हैं, लेकिन इस फिल्म ने वहां की संस्कृति, जीवनशैली और परंपराओं को विश्व मंच पर पेश किया। बाफ्टा अवॉर्ड जीतने से यह साबित होता है कि भारतीय सिनेमा सिर्फ बॉक्स ऑफिस की सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि कला, भावना और संस्कृति के क्षेत्र में भी मान्यता हासिल कर सकता है।

फिल्म की सफलता का मतलब केवल अवॉर्ड जीतना नहीं है, बल्कि उन अनकही कहानियों को भी उजागर करना है जो भारत के विविध हिस्सों में मौजूद हैं। 'बूंग' ने यह दिखाया है कि अगर कहानी सच्ची, भावनाओं से भरी और संवेदनशील हो तो वह दर्शकों के दिल तक पहुंच सकती है। यह उपलब्धि

भारतीय सिनेमा के लिए प्रेरणा

और उम्मीद का प्रतीक बन गई है, और आने वाले समय में यह और अधिक फिल्मकारों को वैश्विक मंच पर पहचान बनाने की दिशा में प्रेरित करेगी।



लखनऊ में पिता की हत्या कर बेटे ने शव के टुकड़े किए, एसिड से नष्ट करने की थी योजना

लखनऊ में एक बेटे ने अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी. फिर डेडबॉडी को आरी से कई टुकड़ों में काट दिया. इसके बाद उसे नीले ड्रम में भर दिया.

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

आशियाना के सेक्टर एल में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ शराब कारोबारी और पैथोलॉजी संचालक मानवेंद्र सिंह (49) की हत्या उनके ही बेटे अक्षत प्रताप सिंह (21) ने कर दी। घटना के बाद आरोपी ने शव के हाथ-पांव सदरौना इलाके में फेंक दिए और सिर सहित धड़ घर में ही नीले ड्रम में रखा। पुलिस ने हत्या और साक्ष्य छिपाने के आरोप में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में एक और चौकाने वाली जानकारी यह सामने आई है कि मानवेंद्र के घर से एसिड भी बरामद हुआ है, जिसका आरोपी शव को गलाने के उद्देश्य से इस्तेमाल करना चाहता था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि अक्षत ने नीले ड्रम में शव रखकर उसे गलाने की योजना बनाई थी। परिवार अभी भी इस घटना के सदमे में है और किसी को अंदाजा नहीं था कि अक्षत इस तरह की हरकत कर सकता है। कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि शव घर में रहने के दौरान अक्षत की छोटी बहन भी घर में ही थी। मानवेंद्र के सगे भाई भक्ति वर्धन सिंह ने कहा कि यह घटना उनके लिए बेहद दुःखद है। डीसीपी मध्य विक्लांत वीर के अनुसार, 21 फरवरी को आशियाना थाने में मानवेंद्र की गुमशुदगी की शिकायत मिली। इसके बाद पुलिस ने मानवेंद्र के छोटे भाई अरविंद कुमार, जो



सचिवालय सुरक्षा में तैनात हैं, से जानकारी ली। पृष्ठतालु में अक्षत ने पुलिस को बताया कि हत्या के पीछे नीट परीक्षा की तैयारी को लेकर पिता का दबाव था। हालांकि परिवार इस थ्योरी से सहमत नहीं है और किसी अन्य कारण को मान रहा है। पुलिस ने बताया कि 20 फरवरी की रात पिता-पुत्र के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। गुस्से में आए अक्षत ने लाइसेंस राइफल से अपने पिता को गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय अक्षत की छोटी बहन कृति अपने कमरे में सो रही थी। आवाज सुनकर कमरे में पहुंचने पर उसने पिता का शव देखा। मानवेंद्र के पिता सुरेंद्र पाल सिंह, जो जालौन में सेवानिवृत्त दारोगा हैं, भी इस घटना से गहरे

आहत हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस आशियाना पहुंच गई और शव के टुकड़ों को पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखा। पुलिस ने हाथ-पांव बरामद कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार, वारदात मकान के तीसरे तल पर हुई। हत्या के बाद आरोपी ने शव को भूतल पर घसीटकर खाली कमरे में रखा। इसके बाद उसने शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। पहले कार में लादकर गोमती नदी में फेंकने की साजिश की, लेकिन शव का वजन ज्यादा होने के कारण यह संभव नहीं हो सका। इसके बाद आरोपी ने आरी खरीदकर शव को टुकड़े कर दिया। धड़ को ठिकाने नहीं लगा पाने के कारण उसने नीला ड्रम खरीदा और उसमें धड़ डाल दिया। साथ ही एसिड खरीदकर शव को

गलाने का भी प्लान बनाया था। हालांकि पुलिस ने समय रहते पूरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया। इस घटना ने न केवल आशियाना क्षेत्र में सनसनी फैलाई है, बल्कि यह परिवार और समाज के लिए भी एक गंभीर चेतावनी बनी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लेकर जांच पूरी की जा रही है और सभी साक्ष्यों को सुरक्षित रखा गया है। पुलिस ने पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी है और आशियाना क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इस तरह, लखनऊ में यह मामला न केवल परिवार के लिए त्रासदी है, बल्कि समाज और कानून व्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय बन गया है।

शहीद पथ पर रेस्टोरेंट के बाहर बवाल, युवक पर कार चढ़ाने का आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सुरांत गोलफ सिटी थाना क्षेत्र के शहीद पथ स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर देर रात दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। आरोप है कि मामूली हॉर्न बजाने के विवाद में कुछ दबंगों ने स्कॉर्पियो में तोड़फोड़ की और उस पर सवार युवक पर कार चढ़ा दी। गंभीर रूप से घायल युवक को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। आशियाना एलडीए कॉलोनी सेक्टर-ई निवासी नमन भटियानी के अनुसार, वह अपने दोस्त तुषार त्यागी के साथ रात करीब 2:30 बजे शहीद पथ स्थित कालिका रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी का हॉर्न बज गया, जिस पर वहां पहले से मौजूद कुछ युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने कुर्सी-टेबल और अन्य सामान से हमला कर दिया। हमले में तुषार त्यागी के सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गए। नमन का आरोप है कि तुषार के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया गया। इसी बीच एक आरोपी ने अपनी क्रेटा कार (UP 32 MS 3402) तुषार के ऊपर चढ़ा दी। किसी तरह दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पहले उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर अपोलो हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। फिलहाल तुषार आईसीयू में भर्ती हैं। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपितों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

ओम प्रकाश राजभर ने आजमगढ़ में ब्राह्मण रैली की समाजवादी पार्टी पर साधा निशाना

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजनीतिक हलचल के बीच ओम प्रकाश राजभर ने आजमगढ़ में एक भव्य रैली आयोजित की, जिसमें करीब 10 हजार ब्राह्मणों ने हिस्सा लिया। रैली में ब्राह्मण समाज के सम्मान में नारे और कसीदे लगाए गए, जैसे “जय सुहेलदेव” और “जय परशुरामा”। इस दौरान राजभर ने अपनी निशाने पर समाजवादी पार्टी (सपा) को खाराराजभर का यह कदम ब्राह्मण वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए किए गए सोशल इंजीनियरिंग के प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह रणनीति जोखिमभरी भी है, क्योंकि पिछले समय में बीएसपी और मायावती ने दलित-ब्राह्मण गठजोड़ के कई प्रयोग किए, जो अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके। 2007 के बाद मायावती के कई प्रयास असफल रहे और 2022 में उनकी पार्टी यूपी में केवल एक विधानसभा सीट तक सीमित रह गई। ऐसे समय में जब उत्तर प्रदेश में बीजेपी के भीतर भी ब्राह्मण और ठाकुर समूहों के बीच प्रतिस्पर्धा चल रही है, ओम प्रकाश राजभर ने अलग मोर्चा संभाला है। आजमगढ़ में उन्होंने ओबीसी-ब्राह्मण गठजोड़ की नींव रखी है, जो सपा के मजबूत गढ़ के रूप में जाना जाता है। रैली में राजभर ने दावा किया कि आगामी चुनाव में आजमगढ़ की सभी 10 सीटें एनडीए के पास जाएंगी। फिलहाल जिले की सभी 10 विधायक सपा के हैं और लोकसभा में भी आजमगढ़ का प्रतिनिधित्व सपा के धर्मेन्द्र यादव और दूसरी लालगंज सीट पर भी सपा के पास है। राजभर ने कहा कि यह रैली 2027 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद



है और यहां की भीड़ सपा को हराने का काम करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण आबादी लगभग 12 प्रतिशत है, जो सवर्णों में सबसे अधिक है, जबकि ठाकुरों की आबादी लगभग 8 प्रतिशत है। ब्राह्मण कभी-कभी जाति के आधार पर उम्मीदवार या पार्टी चुनने में विभाजित रहते हैं। राजभर ने बताया कि वह महीने में करीब सात दिन आजमगढ़ में ही रहते हैं और वहां लगातार संगठन को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ होने के बावजूद बीजेपी में शामिल होकर अपनी राजनीतिक दिशा बदल ली। विश्लेषकों का मानना है कि ओम प्रकाश राजभर का यह कदम यूपी की आगामी राजनीतिक लड़ाई में ब्राह्मण वोट बैंक को साधने और समाजवादी पार्टी के गढ़ पर हमला करने की रणनीति का हिस्सा है।

भूमि मुआवजा न देने पर लखनऊ विकास प्राधिकरण पर जुर्माना, रकम बढ़कर 27 लाख हुई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) पर भूमि मुआवजा न देने का मामला भारी पड़ गया। भूमि अर्जन से संबंधित एक पुराने मुकदमे में 1997 में कोर्ट ने दो लाख रुपये मुआवजे के साथ 15 प्रतिशत साधारण ब्याज देने का आदेश दिया था, लेकिन एलडीए अब तक रकम का भुगतान नहीं कर सका। इस कारण मुआवजा अब 27 लाख रुपये तक पहुंच गया है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण (लारा) की कोर्ट ने एलडीए के विहित पदाधिकारी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। लारा कोर्ट के पीठासीन अधिकारी हेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि जुर्माना पूरी तरह से वसूल कर जमा कराया जाए। कोर्ट ने एलडीए को आदेश की प्रति भेजते हुए 13 मार्च तक मूल रकम प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। यह मामला उजरियांव गांव की आवासीय योजना से संबंधित है। कोर्ट में बताया गया कि प्राधिकरण द्वारा तय की गई धनराशि का भुगतान न करना गंभीर स्थिति पैदा करता है। एलडीए ने पहले इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी, लेकिन 3 मार्च 2020 को उसकी



याचिका निरस्त कर दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि देय धनराशि जमा न करना गंभीर और अनुचित है, और प्राधिकरण को अब तुरंत भुगतान करना होगा। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि एलडीए द्वारा लंबे समय तक मुआवजा अदा न करना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों पर व्यक्तिगत हर्जाना भी लगाया जा सकता है। इस मामले में मुआवजा पाने वाली निर्मला सिंह के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए अदालत ने कड़ी कार्रवाई की है। अब एलडीए को कोर्ट के निर्देशानुसार मुआवजा और जुर्माना समयबद्ध तरीके से जमा करना अनिवार्य होगा।

लखनऊ में बढ़ेगा तापमान, अधिकतम 29 डिग्री रहने का अनुमान

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी में तापमान में लगातार बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। रातें अपेक्षाकृत गर्म हो रही हैं, जबकि दिन में तेज धूप के कारण पारा सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। सोमवार को अधिकतम तापमान 28.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक था। अधिकतम आर्द्रता 89 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 33 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव समाप्त होने के बाद आसमान साफ हो गया है। बीते शुक्रवार को अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री दर्ज किया गया था। आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है। अगले सप्ताह तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि की संभावना है और मौसम शुष्क बना रहेगा।

पुण्यतिथि पर चौक का नामकरण महापौर ने किए छह विकास कार्यों का शिलान्यास

पद्म विभूषण अमृतलाल नागर की पुण्यतिथि पर सोमवार को चौक का नामकरण कर उनके योगदान को सम्मानित किया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने समारोह में चौक का नाम ‘पद्म विभूषण अमृतलाल नागर चौराहा’ घोषित करते हुए इसका शिलान्यास किया। इससे पहले इस चौराहे का नाम लालजी टंडन चौक रखा जाना प्रस्तावित था, जिससे विवाद उत्पन्न हो गया था। महापौर ने विवाद खत्म करते हुए इस नामकरण से जुड़ा पत्थर लगाया और अमृतलाल नागर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। महापौर ने कहा कि अमृतलाल नागर ने अपनी लेखनी से लखनऊ की तहजीब, संस्कृति और आम जनजीवन को जीवंत किया। उनका नाम शहर के लिए गर्व का विषय है और आने वाली पीढ़ियों को उनकी साहित्यिक विरासत से परिचित कराएगा। कार्यक्रम में बीजेपी पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी,

स्थानीय पार्षद अनुराग मिश्रा, डॉ. उमंग खन्ना, कवि सर्वेश अस्थाना, सूर्य कुमार पांडेय और अन्य जोनल अधिकारी उपस्थित थे। इसी अवसर पर महापौर ने छह विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। कालीजी बाजार वार्ड में सड़क, नाली और पार्क से जुड़े ये कार्य क्षेत्रवासियों के लिए सुविधा बढ़ाएंगे। मिर्जा मंडी मोहल्ले में एमबी हॉस्पिटल से भूपेंद्र नाथ मल्होत्रा के आवास तक सीसी रोड का निर्माण 9.85 लाख रुपये में होगा। शंकरा टोला मोहल्ले में चम्पू जी हनुमान मंदिर से हिमांशु के आवास तक सीसी रोड व नाली का निर्माण 9.90 लाख रुपये में होगा। कोनेश्वर मंदिर से एमबी हॉस्पिटल तक सीसी रोड व नाली पर 9.80 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा शंकरा टोला पार्क, दर्जी बगिया पार्क, टंडन फव्वारा और लाजपतनगर पार्क की रंगाई-पुताई की जाएगी। संधी टोला पार्क में बाउंड्री, गेट और फुटपाथ के निर्माण के लिए



19.93 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। महापौर ने कहा कि इन कार्यों से आवागमन में सुविधा बढ़ेगी, जलनिकासी बेहतर होगी और पार्कों का सुंदरीकरण नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगा।

उन्नाव में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा, मंत्री धर्मपाल सिंह ने किया ‘मिशन-5’ का शुभारंभ

उन्नाव में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा, मंत्री धर्मपाल सिंह ने किया ‘मिशन-5’ का शुभारंभ उन्नाव/उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनीतिक पेंशन विभाग के मंत्री व जनपद उन्नाव के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को विकास भवन सभागार में जनपद के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी गौरांग राठी की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कृति राज ने जनपद में संचालित विकास कार्यों तथा पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के दौरान मंत्री धर्मपाल सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग के ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा किए गए अभिनव प्रयास “मिशन-5” का शुभारंभ भी किया। मिशन-5 के तहत किए गए नवाचारों को स्लाइड प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिसकी मंत्री ने सराहना करते हुए इसे जनपद के लिए अद्वितीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता में निश्चित रूप से सुधार होगा। मंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 15 मई तक नई कार्ययोजना तैयार कर उसके अनुरूप कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। त्योहारों को देखते हुए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ रखने, तथा विद्युत

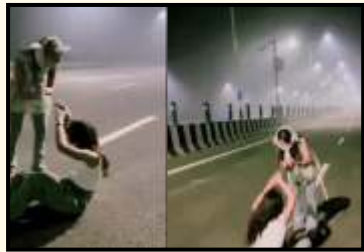
आपूर्ति बाधित न होने के निर्देश अधीक्षण अभियंता विद्युत को दिए गए। अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की व्यवस्था सुनिश्चित करने और खराब ट्रांसफार्मरों को समय से बदलने पर भी जोर दिया गया। अनिराश्रित गोवंश संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को दिए गए। साथ ही छुट्टा पशुओं को गौशालाओं में संरक्षित करने, गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कर हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। बकरी पालन योजना का अधिकाधिक लाभ पशुपालकों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। पीडब्ल्यूडी को नई सड़कों के शीघ्र उद्घाटन और अधूरे निर्माण कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता से आवास उपलब्ध कराने तथा अधूरे आवास शीघ्र पूर्ण कराने पर बल दिया गया। आयुष्मान कार्ड निर्माण अभियान चलाकर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए गए। आगामी फसल कटाई के मद्देनजर अग्निशमन विभाग को सक्रिय रहने तथा टोल-फ्री नंबर जारी करने के निर्देश दिए गए। राशन दुकानों के निलंबन मामलों का शीघ्र निस्तारण कर आवंटन सुनिश्चित करने को कहा गया। ग्राम सभाओं को प्राप्त धनराशि विकास कार्यों में व्यय करने तथा स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश



जिला पंचायती राज अधिकारी को दिए गए। श्रमिकों को पर्याप्त कार्य और समय पर पारिश्रमिक उपलब्ध कराने, युवाओं को करियर काउंसलिंग से जोड़ने तथा इंटर व डिग्री कॉलेजों में रोजगारपरक मार्गदर्शन कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। उद्योग विभाग को निवेशकों को बिजली, सड़क व सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने को कहा गया। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मंत्री ने हत्या, लूट, चोरी व डकैती जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण तथा साइबर अपराध पर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य कर जनपद को स्मार्ट

बनाने और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए गंभीरता से कार्य करने का आह्वान किया। बैठक से पूर्व निरीक्षण भवन में जनप्रतिनिधियों के साथ जिला समन्वय समिति की बैठक भी आयोजित की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड, विधायक सदर पंकज गुप्ता, विधायक बांगरमऊ श्रीकांत कटियार, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईवे पर ‘नागिन डांस’ करने वाली युवतियों पर FIR, पुलिस की कार्रवाई



सोशल मीडिया पर वायरल एक रील में दो युवतियों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर “नागिन डांस” करने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। यह वीडियो लखनऊ-कानपुर मार्ग पर गदनखेड़ा बायपास के पास का बताया जा रहा है, जहां दोनों युवतियां व्यस्त हाईवे पर लेटकर डांस करती नजर आ रही हैं, जबकि तेज रफ्तार भारी वाहन उनके पास से गुजर रहे हैं। हाई-मास्ट लाइटों की रोशनी में शूट किया गया यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने इसे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक बताया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस तरह का स्टंट न केवल युवतियों की जान के लिए जोखिम भरा था, बल्कि हाई-स्पीड मार्ग पर चल रहे अन्य वाहन चालकों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता था। थोड़ी सी चूक से बड़ा हादसा या कई वाहनों की टक्कर हो सकती थी। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने दोनों युवतियों के खिलाफ सार्वजनिक मार्ग बाधित करने और जनसुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। इनमें से एक युवती की पहचान गदनखेड़ा स्थित अंबेडकर नगर कॉलोनी निवासी काजल के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और मोनेटाइजेशन की होड़ में कई युवा लापरवाही भरे कदम उठा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे ट्रैक या अन्य संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों का उपयोग रील या मनोरंजन सामग्री बन पुलिस ने वीडियो बनाने वाले कैमरामैन की भी पहचान और तलाश शुरू कर दी है, जिसे इस मामले में तीसरा आरोपी माना जा रहा है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रचनात्मक अभिव्यक्ति का स्वागत है, लेकिन सार्वजनिक सुरक्षा से खिलवाड़ करने पर कानूनी कार्रवाई तय है।



देश की गरिमा से समझौता नहीं भाजपा नेताओं ने की सख्त कार्रवाई की मांग

उन्नाव में हाल ही में आयोजित एआईएमिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित अशोभनीय प्रदर्शन के विरोध में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी और सदर विधायक पंकज गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रभक्ति के नारे लगाए और भारत की गरिमा, सम्मान तथा सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान पूरे कार्यक्रम में अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के मंचों पर देश की प्रतिष्ठा सर्वोपरि होती है और कोई भी ऐसा कृत्य स्वीकार्य नहीं है जिससे भारत की छवि धूमिल हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन का अधिकार सभी को है, लेकिन उसकी भी एक मर्यादा होती है। यदि कोई संगठन उस मर्यादा का उल्लंघन करता है तो प्रशासन को आवश्यक

कार्रवाई करनी चाहिए। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी सार्वजनिक आयोजन में अनुशासन और शांतिनता का पालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष साधना दीक्षित ने कहा कि महिला कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर यह संदेश दिया है कि देश की अस्मिता और सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में भी इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं तो महिला मोर्चा व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। धरना समाप्त होने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में साधना दीक्षित, प्रियंका शुक्ला, नगर मंडल अध्यक्ष अनीता गुप्ता, मंजु अवस्थी, सुरuchi अग्निहोत्री, सरिता सिंह, श्रद्धा बाजपेयी, पुनीता दीक्षित, शोभा, रेणु, रामलाली दीक्षित, प्रीति शर्मा, सविता, ज्योति तिवारी, जयंती और दीपशिखा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।



भारत उन्नयन समिति का बड़ा फैसला, हर मोहल्ले में चलेगा स्वच्छता अभियान

उन्नाव में भारत उन्नयन समिति परिवार द्वारा संचालित स्वच्छता जन जागरूकता महा अभियान की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अब तक चलाए गए अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई और आगामी कार्ययोजना को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति पिछले कई वर्षों से सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों पर नियमित साफ-सफाई अभियान चला रही है। इसके साथ ही विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप आम नागरिकों में स्वच्छता को लेकर सकारात्मक सोच विकसित हुई है। उन्नाव शहर स्थित न्यू भजन होटल के मीटिंग हॉल में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष देवेश प्रताप सिंह ने की। उन्होंने अब तक किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों की सराहना की।

अभियान की सफलता को देखते हुए समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि शहर के सभी 32 वार्डों में भारत उन्नयन समिति के बैनर तले मोहल्ला स्तर पर स्वच्छता गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जा सके। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्लास्टिक, थर्मोकॉल उत्पादों और पॉलीथिन पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने की मांग करने का भी निर्णय लिया गया। समिति ने ग्रामीण क्षेत्रों में “निःशुल्क चिकित्सा शिविरों” के आयोजन को और गति देने का संकल्प भी लिया। एक अन्य महत्वपूर्ण पहल के तहत धार्मिक स्थलों पर पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि आम जनमानस को प्राचीन वैदिक संस्कृति, वेदों और पुराणों के ज्ञान से जोड़ा जा सके। बैठक में देवेश प्रताप सिंह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे और सभी ने अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

महेश सिंह की पेशी को लेकर हाई अलर्ट, कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा

राजधानी दिल्ली की तिहाड़ जेल में आरोपी महेश सिंह को मंगलवार को उन्नाव जिला न्यायालय में पेश किया जाना है। उसकी पेशी एसीजेएम प्रथम की अदालत में निर्धारित की गई है। गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपित महेश सिंह को दिल्ली से कड़ी सुरक्षा के बीच उन्नाव लाया गया। पेशी को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। दिल्ली पुलिस की विशेष टीम सोमवार देर रात आरोपी को लेकर उन्नाव पहुंची। सुरक्षा कारणों से उसे फिलहाल सदर कोतवाली में रखा गया है, जहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। कोतवाली परिसर में बाहरी व्यक्तियों की आवाजाही पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। प्रवेश और निकास द्वारों पर सघन चेकिंग की व्यवस्था की गई है। वहीं, न्यायालय परिसर में भी अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है, ताकि किसी प्रकार की अवांछित स्थिति उत्पन्न न हो। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महेश सिंह के खिलाफ कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जिनकी सुनवाई के सिलसिले में उसे उन्नाव लाया गया है। उसकी संवेदनशील पृष्ठभूमि को देखते हुए प्रशासन किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतना चाहता। अधिकारियों का कहना है कि पेशी की पूरी प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न कराई जाएगी।



गंगा एक्सप्रेसवे का हिस्सा धंसा, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

एक ओर जहां गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य जारी है, वहीं निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। जनपद के ब्लॉक क्षेत्र स्थित औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत सराय कटियान गांव के पास एक्सप्रेसवे का लगभग आठ मीटर हिस्सा धंस गया है। बताया जा रहा है कि निर्माण एजेंसी पटेल इंफ्रास्ट्रक्चर अपने ठेकेदारों से रात के समय मरम्मत कार्य करवा रही है, ताकि खामियों को जल्द ठीक किया जा सके। करीब 95 प्रतिशत निर्माण पूरा होने के दावों के बीच सामने आई यह स्थिति गुणवत्ता

मानकों पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाले गंगा एक्सप्रेसवे की लंबाई जनपद में करीब 105 किलोमीटर है और यहां अधिकांश कार्य लगभग पूरा हो चुका है, केवल कुछ शेष कार्य चल रहे हैं। लेकिन निर्माण पूरा होने से पहले ही खराब इंजीनियरिंग और घटिया सामग्री के संकेत दिखाई देने लगे हैं। सराय कटियान गांव के निकट डामरीकृत सड़क का करीब आठ मीटर हिस्सा पूरी तरह धंस गया, जिसकी मरम्मत के लिए कार्यवाही संस्था के ठेकेदार रात में जुटे हुए हैं। मरम्मत के दौरान क्षतिग्रस्त

सड़क को उखाड़ने पर उसके नीचे से लगभग पचास सीमेंट की बोरियां निकलने की बात सामने आई है। इससे आशंका जताई जा रही है कि निर्माण में कहीं न कहीं गंभीर लापरवाही हुई है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में मानकों का पालन नहीं किया गया और बसहा झील की काली मिट्टी का उपयोग किया गया, जो तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं माना जाता। मामले ने एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।



इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुटखा प्रचार मामले में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को जवाब देने का आदेश दिया

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुटखा और पान मसाला प्रचार मामले में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को जवाब देने को कहा। कई क्रिकेटर और फिल्मी हस्तियों को विपक्षी पक्षकार बनाया गया। अगली सुनवाई 6 अप्रैल को होगी, साथ ही नई टैक्स और निगरानी नियम लागू।

टीवी भारतवर्ष इलाहाबाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने गुटखा और पान मसाला कंपनियों के प्रचार से जुड़े मामले में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) को पूर्व आदेश के अनुपालन में जवाब देने के लिए कहा है। इस मामले में कई क्रिकेटर्स और फिल्मी अभिनेताओं को भी विपक्षी पक्षकार बनाया गया है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 6 अप्रैल 2026 के लिए तय की है। न्यायालय ने 25 नवंबर 2025 को हुई सुनवाई के दौरान पूछा था कि 2023 में याची द्वारा दायर प्रत्यावेदन पर अब तक जांच लंबित क्यों है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायाधीश जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में संबंधित गुटखा कंपनियों के साथ-साथ क्रिकेटर कपिल देव, सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल और बॉलीवुड अभिनेताओं



अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, सलमान खान, ऋतिक रोशन, टाइगर श्राफ, सैफ अली खान और रणवीर सिंह को विपक्षी पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये हस्तियां, जो पान मसाला कंपनियों का प्रचार कर रही हैं, समाज में गलत संदेश देती हैं। इनमें से अधिकांश पद्म पुरस्कार से सम्मानित हैं, और उनके द्वारा किए जाने वाले विज्ञापन उपभोक्ता कानूनों का उल्लंघन भी कर रहे हैं। अदालत ने निर्देश दिए हैं कि CCPA को अपनी जांच प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। उधर, सरकार ने सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर 1 फरवरी 2026 से लागू कर दिया है। यह

उपकर वस्तु एवं सेवा कर (GST) की उच्चतम 40 प्रतिशत दर के ऊपर लगाया गया है। ये नई दरें 2017 में लागू 28 प्रतिशत GST और क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेंगी। इसके अलावा, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों, जैसे चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) आधारित मूल्यांकन की नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत GST का निर्धारण पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाएगा। पान मसाला निर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नया पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। सभी पैकिंग मशीनों पर कार्यशील CCTV प्रणाली लगानी होगी और फुटेज को कम से कम 24 महीने तक सुरक्षित

रखना होगा। इसके अलावा, उन्हें उत्पाद शुल्क अधिकारियों को मशीनों की संख्या और क्षमता की जानकारी भी देनी होगी। यदि कोई मशीन लगातार 15 दिनों तक बंद रहती है, तो निर्माता उत्पाद शुल्क में छूट का दावा कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अदालत का यह आदेश उपभोक्ताओं की सुरक्षा और समाज में हानिकारक उत्पादों के प्रचार पर नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण कदम है। वहीं नई उत्पाद शुल्क और उपकर व्यवस्था से पान मसाला और तंबाकू उद्योग पर कड़ी निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, अदालत ने इस मामले में सभी पक्षकारों को समयबद्ध जवाब देने और जांच को तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए हैं।

सड़क सुरक्षा पर सवाल, गिट्टी से फिसली बाइक कार से टकराई

टीवी भारतवर्ष मेरठ

शहर की रामलीला रोड पर सड़क पर फैली गिट्टी के कारण हुए हादसे ने सड़क सुरक्षा और निर्माण कार्यों के बाद रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ युवक सड़क पर रील बनाते हुए लाइव वीडियो शूट कर रहे थे। इसी दौरान गिट्टी से ढकी सड़क पर एक बाइक का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते बाइक फिसल गई और उस पर सवार दो युवक सामने से आ रही कार से जा टकराए। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि रामलीला रोड पर नाले के निर्माण कार्य के बाद गिट्टी सड़क पर ही फैली रह गई थी। समय पर सफाई न होने के कारण यह गिट्टी लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही थी। क्षेत्रीय निवासियों के मुताबिक, इससे पहले भी कई लोग फिसलकर चोटिल हो चुके हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। वायरल वीडियो सामने आने के बाद यातायात पुलिस हरकत में आई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और राहगीरों से सावधानी बरतने की अपील की। साथ ही संबंधित विभाग को सड़क से गिट्टी हटाने के निर्देश दिए गए। रियलिटी चेक में यह भी सामने आया कि सड़क पर अतिक्रमण के कारण गिट्टी लंबे समय तक पड़ी रही। अतिक्रमण की वजह से सफाई कार्य प्रभावित हुआ और सड़क की स्थिति बदहाल बनी रही। हालांकि, वीडियो के वायरल होने के बाद प्रशासन ने गिट्टी हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल सड़क के अधिकांश हिस्से से गिट्टी साफ कर दी गई है, लेकिन कुछ स्थानों पर अतिक्रमण अब भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क को पूरी तरह सुरक्षित बनाया जाए और भविष्य में निर्माण कार्य के बाद नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सिंगापुर दौरे पर सीएम योगी, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर सहयोग को लेकर अहम समझौते

टीवी भारतवर्ष बरेली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सिंगापुर के मैनपावर मंत्री तथा ऊर्जा एवं विज्ञान-प्रौद्योगिकी के प्रभारी मंत्री टैन सी लेंग और सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कोंग वाई मुन के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन्वेस्ट यूपी और सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज के बीच एक रणनीतिक साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता उत्तर प्रदेश में सतत आर्थिक विकास, डिजिटल परिवर्तन और बुनियादी ढांचा विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। इसके तहत संस्थागत क्षमता निर्माण, नीति ढांचा विकास और संरचित ज्ञान आदान-प्रदान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने केरी मोक, प्रेसिडेंट एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसएटीएस लिमिटेड से भी मुलाकात की। उनकी मौजूदगी में एसएटीएस लिमिटेड ने नोएडा इंटरनेशनल



एयरपोर्ट, जेवर में एक विश्वस्तरीय कार्गो कॉम्प्लेक्स विकसित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, एक ताज एसएटीएस एयर क्वाटर किचन भी स्थापित किया जाएगा, जो जेवर सहित उत्तर भारत के अन्य हवाई अड्डों को सेवाएं देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साझेदारी व्यापार को बढ़ावा देगी, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगी और रोजगार के व्यापक अवसर सृजित करेगी। इससे उत्तर प्रदेश की एक प्रमुख एविएशन और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थिति और सुदृढ़ होगी।

मथुरा पुलिस का 'ऑपरेशन बजरंग' 34 साइबर ठग गिरफ्तार, 45 फरार

टीवी भारतवर्ष मथुरा

मथुरा पुलिस ने 'ऑपरेशन बजरंग' के तहत बड़ी सफलता हासिल की। जिले के शेरगढ़ क्षेत्र के दो गांवों जंघावली और विशंभरा में ताबड़तोड़ दबिश देकर 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 45 शातिर खेतों और जंगलों के रास्ते फरार



हो गए। पुलिस ने इस दौरान फर्जी आधार कार्ड, 37 मोबाइल, चार बाइक और एक कार बरामद की। सभी मामलों में साइबर ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में सुबह पांच बजे एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत के नेतृत्व में एसपी, चार सीओ, 13 थानों की पुलिस और पीएसी बल के जवानों ने गांवों में सर्च ऑपरेशन चलाया। दबिश के दौरान करीब 85 घरों में तलाशी ली गई। भारी संख्या में पुलिस देखकर गांव में खलबली मच गई। कुछ महिलाओं ने विरोध किया, जिन्हें महिला पुलिसकर्मीयों ने शांत कराया। पुलिस ने बताया कि छत्तों और जंगल के रास्ते भागने वाले शातिरों की तलाश में चार टीमें हरियाणा, राजस्थान समेत संभावित स्थलों पर दबिश दे रही हैं। पकड़े गए 34 आरोपियों के खिलाफ दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर चालान किया गया है। इनके कब्जे से 18 फर्जी आधार कार्ड और 37 मोबाइल बरामद हुए। एसपी देहात ने बताया कि पुलिस ने गांव के बाहर जंगलों में शातिरों के संभावित ठिकानों का भी निरीक्षण किया। जंघावली के पास खंडहर बनी धर्मशाला में आरोपी बैठकर ठगी की वारदातें करते थे। मथुरा जिले में पुलिस द्वारा साइबर ठगी पर चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन और दबिशों के कारण इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। इससे पहले 11 दिसंबर को गोवर्धन क्षेत्र के चार गांवों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया था, जिसमें कई ठग पकड़े गए थे।





जहां उत्तर प्रदेश लाइन वहीं से

प्रति वर्ष 400 लाख टन फल एवं सब्जियों का उत्पादन

गन्ना, चीनी, खाद्यान्न, आम, दुग्ध, आलू, शीरा उत्पादन में अग्रणी









करके दिखाए जो डबल इंजन सरकार है वो

 UPGovtOfficial
  CMOUttarpradesh
  CMOfficeUP

 सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश